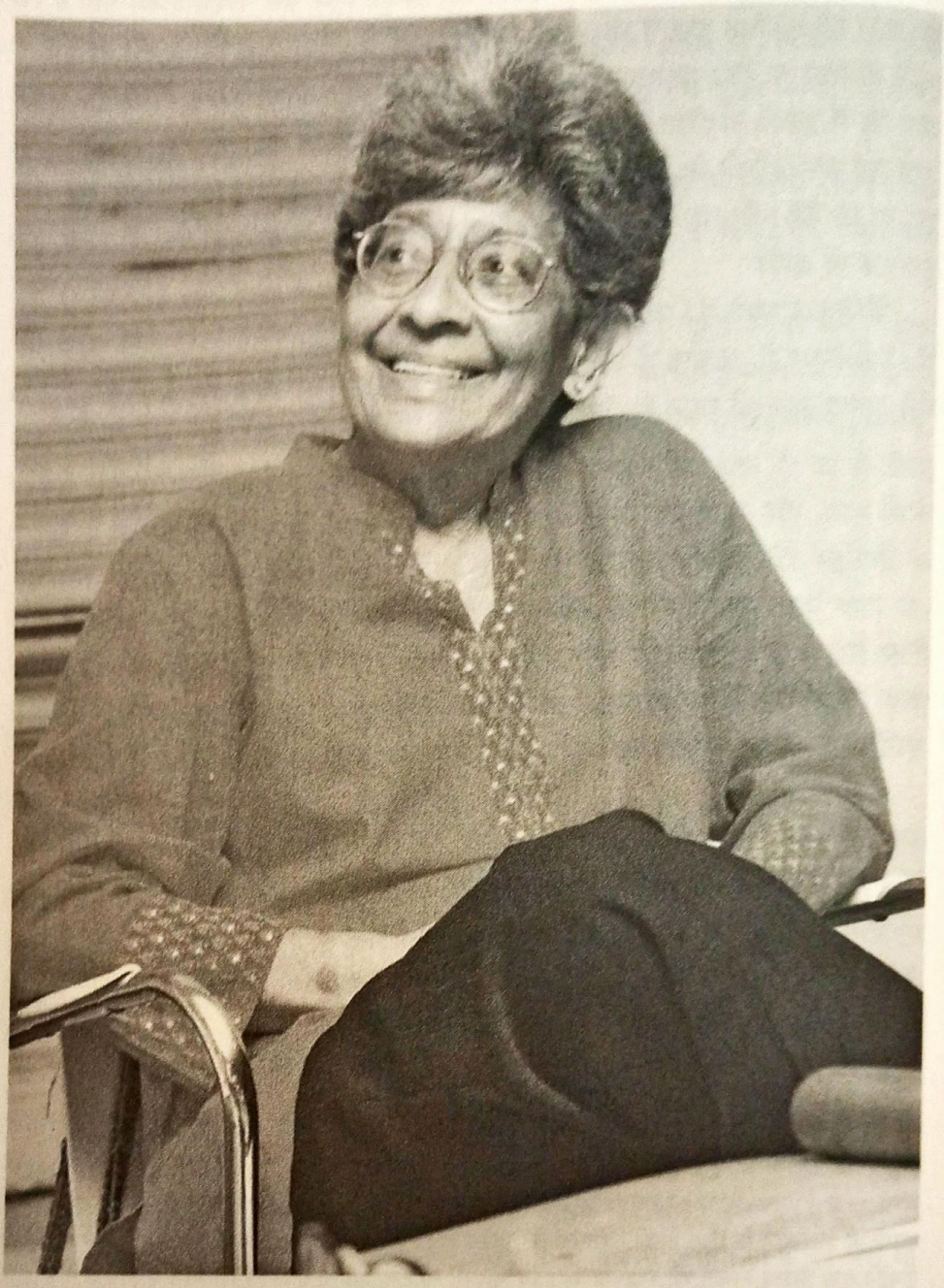

सुनीति नामजोशी

सुनीति नामजोशी

जैसे ही घूमती है पहली पत्ती

जैसे ही घूमती है पहली पत्ती
घास-झुरमुट बुदबुदाता है :
'मैं झुकता हूँ, लेकिन टूटता नहीं हूँ।'
क़दम
नीचे आते जाते हैं।

कामुक घास की पत्तियाँ
अभियान चलाती हैं
कि उनका अस्तित्व काँच का बने
और पाँव
बिना जूतों की यात्राएँ करें
लोग बिफर जाते हैं—
क्यों चोटिल हों!

चीड़ के पेड़ बूझते हैं,
'पैर प्रासंगिक नहीं'।

शगुन की एक शीर्षकहीन कृति

स्नो वाइट और रोज़ ग्रीन

एक समय की बात है : जब दो बहनें थीं। एक की शादी हो गई और दूसरी की नहीं। या एक बार दो घेंटें (सूअर के बच्चे) थे। एक बाज़ार चला गया और दूसरा नहीं। या एक स्ट्रेट था और एक नहीं। बात यह कि जो भी कर सकने में वे सक्षम-असक्षम हुए, वे अपनी माँ के लिए निराशा साबित हुए। अच्छी बात यह कि दोनों बहनें एक दूसरे से प्रेम करती थीं। जब उन्होंने देखा कि माँ दिन-ब-दिन और निराश होती जा रही थीं, उन्होंने प्रस्ताव रखा कि वह उन्हें बीच-बीच से काट ले और दो अच्छे हिस्सों को जोड़कर एक संपूर्ण या कुछ शानदार-सा बना लें। ग़ज़ब रोष में भी माँ ने मना कर दिया, पर बेटियाँ इतनी दु:खी थीं कि वे सर्जन के पास चली गईं।

सर्जन ने कृपा कर उन्हें बीच से काट दिया, फिर आधे-आधे हिस्से बदले और उन्हें एक-एक में जोड़ दिया। लेकिन अब भी ये दो बहनें ही थीं। यह एक समस्या थी। इसीलिए

वे घर आए और माँ से कहा, "अब अच्छा वाला चुन लो।'' लेकिन माँ ग़ुस्से में थी कि उन्होंने ऐसी किसी स्कीम के बारे में सोच भी कैसे लिया। "ऐसा तुमने मेरा मज़ाक़ उड़ाने के लिए किया," ग़ुस्से से माँ ने कहा। "तुम दोनों गंदे बच्चे हो।" जब दोनों बहनों ने माँ को यह कहते हुए सुना... अच्छी वाली रोई, लेकिन बुरी वाली ने दाँत निपोड़ लिए।

ऊँचाइयाँ

"और फिर, बिल्कुल"
वह कह रही थी,
"हम इतने महान पले
कि अब हम सपने देखते हैं
जो केवल मुमकिन हैं"

कवि होना

ऐसा कहना कि यह ऐसा महसूस हुआ था
मानो दाहिना क़दम आगे बढ़ाना, फिर बायाँ, कहते हुए
कि यह नाश्ते के दलिए का स्वाद है,
दूध का, और यह दूसरा टुच्चे
लेकिन आग्रही एक पीड़ा का, कहते हुए
कि मैं मानती हूँ, क्या वह जो ख़ास था—
मेरा मुँह बंद रखने में असमर्थ हुआ,
मेरा दिमाग़ चलने से रोकने में।
लेकिन एक कवि जीता है
किसी भी दूसरे प्राणी की तरह, बोलता है शायद
साधारण से ज़्यादा, उसकी क़यामत कोई चमकती चीज़ नहीं,
न उसकी मौत किसी दूसरे की मौत से कम दारुण।

अँग्रेज़ी से अनुवाद : रिया रागिनी